भारतीय आर्य भाषाएँ

- आर्यों के पूर्ववर्ती भारतीय-
नेग्रिटो,आस्ट्रिक,किरात,द्रविड
- आर्यों का आगमन-ई.पू.1500 के आसपास
- आर्य दो बार आगमन -पूर्ववर्ती,परवर्ती
- क्रमशःमध्य देश में बसे उन्हें भीतरी शाखा,बाद में आये उन्हें बाहरी शाखा में।

आर्य पहले सप्तसिंधु(आधुनिक पंजाब)में आये फिर धीरे-घीरे

मध्य देश के कोसल होते हुए भारत भर में फैले।

भा.आ.भाषाएँ

- तीन कालों में बाटा गया है।
- (1)प्राचीन भा.आर्य भाषाएँ-ई.पू.1500से ई.पू.500
- ईरानी भाषा जैसी
- धीरे-धीरे परिवर्तित होने लगी।
- वैदिक संहिताओं की भाषा-बोलचाल की भाषा से अलग
- क्षेत्र-आधुनिक पंजाब या सप्तसिंधु प्रदेश
- जो बाद में मध्य देश केन्द्र स्थान बना
- पाणिनि के अष्टाध्यायी के बाद संस्कृत का आर्दश रूप
- दो रूप-वैदिक संस्कृत,लौकिक संस्कृत

- वैदिक संस्कृत-(1500ई.पू.से800ई.पू.तक)
- छन्दस्,प्राचीन संस्कृत,वैदिकी आदि नाम
- ऋग्वेद आर्यो का मूल तथा विश्व का प्राचीन ग्रंथ
- मौखिक ग्रंथ होने से अव्यवस्थित
- द्रविड परिवार का प्रभाव
-